Rly Ph. : 63117, 63372 Fax : 62108
P & T No. : 07752-415520
e-mail : secrmu@rediffmail.com

दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे मेन्स युनियन
SOUTH EAST CENTRAL RAILWAY MEN'S UNION

(Regd. No. 57) Govt. of CHHATTISGARH
Recognised by the S.E.C. Railway Administration & Affiliated to All India Railwaymen's Federation & H.M.S.

Central Office : M-14, J.M. Biswas Bhavan, Near Rail Sanskriti Niketan, Bilaspur - 495004 (C.G.)

मई दिवस संदेश

दिनांक : 01.05.2012

प्रिय साथीयों,

मई दिवस की उत्पत्ति 1886 में अमेरिकन कामगारो के 8 घंटे प्रतिदिन कार्य अवधि को लेकर हुई, इसके पश्चात सारे विश्व में बहुत उतार–चढ़ाव आया – जिसके फलस्वरूप काफी लड़ाईयां, प्रर्दशन, आंदोलन, हड़ताल, काम से इंकार एवं बलिदान तक हुये, इसके परिणाम फलस्वरूप कामगारों का आंदोलन आगे बढ़ा जो अपनी उपलब्धी को पाने एवं उन्हें सुरक्षित रखने हेतु अग्रसर रहा ।

इस मई दिवस पर फिर से अमेरिकन कामगारो ने जो 99% थे 1% मालिको के विरूद्ध लड़ाई को अपना केन्द्र बिन्दु बनाया । आज यह लड़ाई स्वार्थी शेयर मार्केट एवं सरकारी तत्वों के बीच है, जो मेहनतकश की कमाई को अमीरों द्वारा संचालित बड़ी–बड़ी कम्पनीयों में काम के लिए उपयोग में लाई जा रही है, और मेहनत कश और गरीब होते जा रहे हैं एवं अमीर और अमीर हो रहे हैं, आज विश्व के विकसित देशों में जैसे इंग्लैंड, फ्रांस, बेलजियम, ग्रीस, स्पेन, इटली, आस्ट्रेलिया, आस्ट्रिया, जर्मन इत्यादि के कामगार हड़ताल का रास्ता अपना रहें है एवं सरकार की मजदूरी विरोधी नीति के खिलाफ लगातार प्रर्दशन कर रहें हैं ।

भारत में भी कामगार वर्ग के समक्ष निजीकरण, ठेकेदारी का खतरा मंडरा रहा हैं संगठित मजदूरों की संख्या सिर्फ 7% रह गई है और असंगठित मजदूर 93% तक हो गये है । ठेके पर काम करने वाले मजदूर अधिक असुरक्षित, कम वेतन पाने वाले हो गये है, इनके लिए ना ही श्रम कानून और ना ही श्रम संगठन, इसी कारण इनका अधिक शोषण किया जा रहा है ।

संगठित कामगारो की उचित मांगों की भी अवहेलना की जा रही है । कई उद्योगों में यूनियन निर्माण करने के प्रयासो को भी दबाया जा रहा है । बाजार मे अवश्यक सामाग्री का मूल्य, डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस आदि आसमान छू रहा है । इसका सीधा अर्थ यह है कि आम आदमी का पैसा अमीरों की जेब में जा रहा है ।

राष्ट्रीय मजदूर संगठनो द्वारा 28 फरवरी 2012 की हड़ताल ऐतिहासिक थी, इसमें आजाद भारत के 10 करोड़ कामगारों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई । वर्तमान में मजदूर वर्ग एवं किसान वर्ग को मिलकर एक बार फिर सम्मिलित आंदोलन अख्तियार करना होगा । जहाँ तक भारतीय रेल का सवाल है, आवश्यक आर्थिक आम बजट पूर्ण आर्थिक सहयोग न देकर, रेल्वे की आर्थिक अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की साजिश है जिसके फलस्वरूप रेल्वे को निजी हाथों में सौपा जाये । रेल कार्मचारियों की उचित मांगो को नाकारना, हजारों रिक्त पदों को न भरना, लगातार काम का बोझ बढना । पाइंटसमेन, गेटमेन और अन्य कई पदों की कार्यअवधि 12 घंटे करना, रनिंग एवं सेफटी केटिगरी में H.O.E.R. का पुन: संरचना को स्थगित रखना आदि ज्वलंत उदाहरण है ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे एवं बिलासपुर मण्डल ने इस वर्ष भी इन परिस्थितियों में भी कई कीर्तिमान बनायें जिसमें 150 मिलियन टन लोडिंग हासिल किया एवं कई शील्ड/ट्राफी हासिल की आखिर किस कीमत पे (1) रनिंग कार्मचारियों ने 12 घंटे से उपर काम किया (2) अधिकतर कर्मचारियों को निर्धारित रोस्टर घंटो से अधिक काम करना पडा (3) हजारों रिक्त पदो का कार्यभार भी, कार्यरत कर्मचारियों के कंधों पर पडा (4) साप्ताहिक अवकाश उपलब्ध नहीं हुआ (5) बढे हुए कार्यो

के लिए अतिरिक्त पदो का सृजन नहीं किया गया (6) आवासो/कॉलोनी में आवश्यक सुविधाओं का आभाव (7) अधिकतर कर्मचारियों को दंडित किया गया (8) अनावश्यक आधार पर कर्मचारियों का स्थांनातरण किया गया। ''कर्मचारियों का प्रताडित करना – प्रशासन का हथियार बन गया है'' अत: हमें संगठित हो कर व्यवस्था से लडना होगा एवं रेल उद्योगो को बचाना होगा।

अत: हमारा नारा है **''रेल बचाओ–देश बचाओ''**
''मजदूर दिवस जिंदाबाद''

''दुनिया के मजदूर एक हो–इंकलाब जिंदाबाद''

कब तक यूं बहारो में पतझड का चलन होगा !
कलियों की चिता होगी, फूलो का हवन होगा !!
कहती है युग–युग से, हर धर्म की रामायण भी !
सोने के हिरण होंगे, सीता का हरण होगा !!
कहता है मजदूर के माथे का पसीना भी !
महलों में प्रलय होगा, कुटिया में जश्न होगा !!
संकट के अंधेरो में तुम आस नहीं छोडो !
हर रात की मुठ्ठी में सूरज का रतन होगा !!

ए.आई.आर.एफ. जिंदाबाद, एच.एम.एस. जिंदाबाद
एस.ई.सी.आर.एम.यू. जिंदाबाद

सलिल लॉरेन्स
(महामंत्री)